राष्ट्र चिन्न

भारत की पहचान में है, छुपी हुई शान,
तिरंगा लहराता, देश की आन।
कही मोर नाचे , कही रण में जवान,
भारत माँ की बनते शोभा, बनाते पहचान।

वृक्ष बरगद का, छाँव देता महान,
कमल खिलता सरोवर में, हल चलाते किसान ।
बाघ की चाल, और मृदंग का बखान,
सांस्कृतिक धरोहर, गूँजता गान।

गंगा की लहरें, शीतलता की खान,
हिमालय की चोटी, और राष्ट्र फल बना आम ।
गौतम की भूमि, जहाँ ध्यान का ज्ञान,
विश्व गुरु बने, भारत का निदान।

हिन्द की बानी, और हिंदी का मान,
संस्कृति की धारा, बहाए यह प्राण।
सभी को समेटे, एकता का गान,
भारत की माटी, रहे सदा महान।

- Shreyanvi
Ahlcon International school